हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 23 फरवरी 2026

11 श्रद्धालुओं ने कॉलेज और सत्संग भवन के आसपास...

12 बंद साइट खुलवाने और अन्य मांगों के लिए मजदूर...

नगर परिषद ने दी शहर के लोगों को 50 लाख के विकास कार्यों की सौगात

बैंक कॉलोनी में गलियां होंगी पक्की विधायक ने करवाया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहर के लोगों के लिए राहत भरी खबर। रविवार को नगरपरिषद ने भिवानी शहर के लोगों को 50 लाख रुपये की योजनाओं की सौगात दी। विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने नारियल फोड़कर उक्त योजना के तहत होने वाले कार्यों का शिलान्यास करवाया। उक्त राशि से बैंक कॉलोनी में करीब पांच गलियों का निर्माण करवाया जाएगा। उसके बाद इस क्षेत्र में कोई भी गली कच्ची नहीं बचेगी।

हालांकि नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने लोगों से आह्वान किया वे कच्ची गलियों की जानकारी दे। मार्च तक सभी कच्ची गलियों को पक्का करवा दिया जाएगा। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने वहां पर मौजूद सभी लोगों का मुंह मीठा करवाया और कहा कि मार्च माह के अंतिम सप्ताह तक कोई भी गली कच्ची नहीं रहेगी। वहीं विधायक घनश्याम सर्राफ ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सार्वजनिक विकास कार्यों के लिए सरकारी खजाने लबालब है। बशर्ते वे जनहित के कार्य लेकर आए। इस अवसर पर पार्षद कविता यादव , दीपक जांगड़ा , राजेंद्र सिंह , अमित प्रजापत , आनंद सिंह, जितेंद्र, प्रवीण ,सुनील शर्मा, करण सिंह आदि मौजूद थे।

सार्वजनिक विकास कार्यों के लिए सरकारी खजाने लबालब : विधायक

■ चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने मौके पर मौजूद सभी लोगों का मुंह मीठा करवाया और कहा कि मार्च के अंतिम सप्ताह तक कोई भी गली कच्ची नहीं रहेगी

भवानी ने कच्ची गलियों के बारे में जानकारी ली

नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि आज उन्होंने विधायक सर्राफ के साथ मिलकर बैंक कॉलोनी में करीब 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया है। उक्त राशि से करीब पांच गलियों को पक्का करवाया जा सकेगा। इनके अलावा इससे पहले पार्कों के जीर्णोद्धार के कार्य भी जारी है। ताकि शहर की सुंदरता को बढाया जा सके। उन्होंने बताया कि लोगों से कच्ची गलियों के बारे में जानकारी ली है। साथ ही उनसे कहा गया है कि कच्ची गलियों के बारे में जानकारी दे तो नप उनको पक्का करवाएगी। इस मामले में कोई ढिलाई नहीं होगी। साथ ही उन्होंने बताया कि मार्च माह तक सभी कच्ची गलियों को पक्का करवाया जा सकेगा।

सार्वजनिक कार्य लेकर आएं: विधायक

विधायक घनश्याम सर्राफ ने बताया कि सीएम नायाब सिंह सैनी का भिवानी के साथ विशेष लगाव है। वे भिवानी के विकास के लिए दिल खोलकर बजट जारी कर रहे है। भिवानी के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। साथ ही उन्होंने लोगों से आह्वान किया वे जनहित व सार्वजनिक कार्य लेकर आए। उनको प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाया जाएगा।

शिकायतें सुनीं

इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने सीवर के मेनहोल की सफाई न होने तथा उनके ढक्कन टूटे होने की शिकायत की। इस पर विधायक सर्राफ ने तत्काल पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों मैनहोल के टूटे ढक्कन लगाने तथा उनकी सफाई करवाए जाने के निर्देश दिए। वहीं कुछ लोगों ने पीने के पानी के कनेक्शन जारी करवाए जाने की मांग की। विधायक ने अधिकारियों को लोगों की मांग के हिसाब से पानी के केनेक्शन जारी करने के आदेश दिए। ताकि लोगों के घरों तक पर्याप्त पीने का पानी पहुंच सके।

4 करोड़ की लागत से नई तकनीक से डलेगी सीवरेज की पाइपलाइन

ट्रेंचलेस मेथड से डलेगी पाइपलाइन नहीं करनी पड़ेगी जमीन की खुदाई

दीपक कुमार डुमड़ ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा के लोगों को सीवरेज की समस्या से छुटकारा मिलने जा रहा है। विभाग इस पर 4 करोड़ रुपये खर्च करके ट्रेंचलेस मेथड से पाइपलाइन बिछाने का काम करेगा। लोगों की बरसों वर्ष पानी समस्या का निदान हो सकेगा। दूसरी तरफ कस्बे में सीवर लाइन के लिए पाइप पहुंचने के बाद विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि मौके पर पहुंचे और पाइपों का जायजा लिया। साथ ही ठेकेदार से कहा कि इस मामले में किसी तरह की कोई ढिलाई व कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। अगर ढिलाई व कोताही बरती तो उनको ब्लैक लिस्ट करवाया जाएगा। विधायक वाल्मीकि ने कहा कि उक्त कार्य पूरा होने के बाद कस्बे में विकास कार्यो की गंगा बहने लगेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले काफी समय से शहर में सीवरेज की समस्या से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था जिसके कारण लोग बार बार प्रदर्शन कर समस्या के समाधान की मांग कर रहे थे।

आवागमन नहीं होगा बाधित

टैर्चलैस मैथड के तहत जमीन की खुदाई नहीं करनी पड़ती है। एक मशीन से ही पाइप लाइन डाली जाती है। जिस जगह से पाइप लाइन डाली जाती है। उस जगह पर गड्डा खोद लिया जाता है। उस गड्डे में पाइप लगाकर मशीन के प्रेशर से उसको धकेला जाता है। इस विधि से न तो वाहनों के आवागमन में अड़चन आती और न ही कोई कार्य रुकता।

विकास कार्यों में नहीं आने देंगे कमी: विधायक

विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि शहर की जनता ने उन पर विश्वास किया है इसलिए शहर व पूरे हलके में विकास में कोई कमी नहीं आने देंगे। पाइप लाइन डालने के इस कार्य पर चार लाख की लागत आएगी। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कनिष्ट अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि आऊटर डाया 800 एमएम की 350 मीटर की लैंथ को खेड़ी दौलतपुर से सीवरेज ट्रीटममेंट प्लाट तक बिछाया जाएगा। उक्त कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है।

खबर संक्षेप

गांव घुसकानी में भंडारा और मेला 25 को

भिवानी। गांव घुसकानी के बाबा मनसागिरी मंदिर में बाबा मनसागिरी की पुण्यतिथि पर 25 फरवरी बुधवार को विशाल मेले, भण्डारे, लड़कों की कुश्ती व रागनी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। कुश्ती दंगल में प्रथम इनाम 11 हजार , द्वितीय 5100 व तृतीय 2100 रुपये होगा। 500 रुपये से लेकर सभी बड़ी इनामी कुश्ती वाले पहलवानों के लिए जांघिया अनिवार्य होगा। रात के समय में गायक सुरेन्द्र गिगनाऊ व रोहतास लाठर अपनी रागनियों के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एस.आर.एस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सुरेंद्र राठौर शिरकत करेंगे।

भंडारे और जागरण का आयोजन एक को होगा

तोशाम। तोशाम की बाबा मुंगीपा धर्मशाला में आगामी एक मार्च को बाबा मुंगीपा का जागरण व भंडारा आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम बाबा मुंगीपा धाम तोशाम के मुख्य पुजारी बाबा नन्हाराम के सानिध्य में होगा। आयोजन कमेटी के सदस्य पुरुषोत्तम गौड उर्फ बल्लू, जितेंद्र चहल, संजय गोस्वामी ने बताया कि 1 मार्च को शाम 7:15 बजे से बाबा मुंगीपा का जागरण प्रारंभ होगा जिसमें नरेंद्र दांगी, सुरेंद्र गिगनाऊ आदि सहित विभिन्न विख्यात गायक कलाकार अपनी मधुर वाणी में बाबा मुंगीपा महाराज का गुणगान करेंगे।

ट्रक चालक को मादक पदार्थ के साथ किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल भिवानी के सहायक उप निरीक्षक राजेश कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी पर राजगढ़ रोड, सिवानी मार्केट के पास मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति, जो ट्राला चलाने का काम करता है, राजस्थान से गाड़ी में मादक पदार्थ चूरा पोस्त लेकर आया है और फिलहाल गोलु मार्केट सिवानी में अपने ट्रक के साथ खड़ा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर तुरंत रेड की। तलाशी के दौरान ट्रक से 01 किलो 701 ग्राम मादक पदार्थ चूरा पोस्त बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया तथा ट्रक को भी पुलिस कब्जे में ले लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनिल पुत्र राजबीर निवासी रतेरा जिला भिवानी के रूप में हुई है।

मुख्यमंत्री से मुलाकात का समय नहीं मिला तो होगी महापंचायत

एक मार्च को बुढेड़ा कन्नी के आठ गांवों की पंचायत ढाणी में होने की योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

ढाणी लक्ष्मण मनीषा मामले की सर्व समाज न्याय समिति के सदस्य बुढ़ेड़ा कन्नी प्रधान सतबीर सिंह बुढ़ेड़ा के उनके निवास स्थान पर बैठक कर मनीषा मामले बारे चर्चा की सीबीआई जांच कमेटी को सरकार द्वारा दिए गए निर्धारित समयावधि के बीत जाने के बाद भी मनीषा मामले कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक ना हो पाने के कारण बुढ़ेड़ा कन्नी के आठ गांवों के लोगों ने को तहसील लोहारू के उपमंडल अधिकारी नागरिक से मिलकर मनीषा मामले बारे सीएम से मुलाकात बारे समय लेने का ज्ञापन सौंपा था ।

सप्ताह गुजर जाने के बाद भी कोई संतोषजनक जवाब ना मिलने पर पुनः समिति ने 16 फरवरी को उपमंडल अधिकारी नागरिक से मुलाकात कर 27 फरवरी तक सरकार द्वारा कोई संतोषजनक कारवाही ना होने पर 28 फरवरी को बढ़ेड़ा कन्नी की पंचायत का अलटीमेटम दिया था। मगर रविवार को बुढेड़ा कन्नी के प्रधान सतबीर सिंह से बैठक कर फैसला लिया गया कि यदि सरकार ने मनीषा मामले कि सीबीआई जांच कमेटी द्वारा जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने का मुलाकात का समय नहीं दिया जाता है तो एक मार्च को बुढेड़ा कन्नी के आठ गांवों की पंचायत गांव ढाणी लिछमन में कन्नी प्रधान सतबीर सिंह की अध्यक्षता में होगी जिसमें सैकड़ों कि संख्या में लोग भाग लेंगे ।

लोहारू। मनीषा मामले को लेकर आयोजित बैठक में उपस्थित लोग।

■ बुढ़ेड़ा कन्नी के आठ गांवों के लोगों ने तहसील लोहारू के उपमंडल अधिकारी नागरिक से मिलकर मुख्यमंत्री से मुलाकात बारे सौंपा था ज्ञापन

पंचायत समिति ने चार गांवों को पेयजल आपूर्ति के टैंकर दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

सार्वजनिक कामकाज व स्वच्छ पेयजल आपूर्ति में प्रयोग करने के लिए पंचायत समिति चेयरपर्सन दर्शना देवी डालावास ने पंचायत समिति कोटे से क्षेत्र के गांव जगरामबास, मांढी पिरानू, मांढी हरिया को पेयजल टेंकर वितरित करते हुए पंचायत प्रतिनिधियों को सौंपे तथा जल्द ही और टेंकर भेजने की घोषणा की।

पंचायत समिति चेयरपर्सन दर्शना आनंद डालावास ने गांव जगरामबास, मांढी पिरानू, मांढी हरिया आदि चार गांवों में आयोजित कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों को पेयजल टेंकर वितरण करते हुए कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार हर गांव, वार्ड व घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है और इसी कड़ी में रविवार को गांव के सरपंच को वाटर टेंक दिए गए तथा जिन गांवों में अभी तक सार्वजनिक सुविधा के रूप में वाटर टेंक नहीं पहुंचा हैं उनको जल्द ही और टेंक भेजे जाएंगे। जलदान महादान होता है और हमारे पूर्वज भी जगह जगह मानव व पशुओं के लिए पीने के पानी का प्रबंध करते थे और उनके पदचिन्हों पर चलकर हम भी दूरदराज पीने के पानी की आपूर्ति की मुहिम चला रहे हैं। सरकार ने कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई को बढावा देने के लिए अनेक योजनाएं आरंभ की हैं।

अपने कैंप कार्यालय में लगाया खुला दरबार

विधायक ने सुनीं लोगों की समस्याएं अफसरों को समाधान के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को अपने कैंप कार्यालय में खुला दरबार लगाकर आम लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों और शहर से आए लोगों ने बिजली, पानी, सड़क, सीवरेज, राशन और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें विधायक के सामने रखीं।

विधायक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए और कई मामलों में तुरंत कार्रवाई की बात कही। खुले दरबार में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपनी समस्याएं रखीं। विधायक सुनील सांगवान ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चरखी दादरी। लोगों की समस्याएं सुनते विधायक सुनील सांगवान।

हलके की जनता की सेवा ही उनका मुख्य उद्देश्य: विधायक

विधायक ने कहा कि लोगों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिलना चाहिए और इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता और तेजी जरूरी है। विधायक ने कहा कि दादरी हलका के विकास के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। क्षेत्र में सड़कों, पेयजल व्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि दादरी हलका की प्रमुख समस्याओं और विकास कार्यों से जुड़े मुद्दों को विधानसभा सत्र में भी मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही उनका मुख्य उद्देश्य है और वे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

नशेड़ी युवकों ने दुकानदार को पीटा, स्कूटी गिराने से शुरू हुई तकररा मारपीट में बदली

गांव जमालपुर में सभी दुकानदारों ने बाजार बंदकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

गांव जमालपुर में मेडिकल स्टोर संचालक पर हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। हमले में मेडिकल स्टोर संचालक का पुत्र व पड़ोसी घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल भर्ती कराया गया। वहीं घटना की सूचना गांव में आग की तरह फैल गई और पूरी मार्केट बंद हो गई।

साथी दुकानदार के साथ मारपीट के विरोध में रविवार को भी जमालपुर का बाजार बंद रहा। मामला बढ़ने के बाद बवानीखेड़ा थाना पुलिस ने मौके का मुआयना करके जांच शुरू कर दी। दूसरी तरफ मारपीट में घायल दोनों दुकानदारों को उपचार के लिए भिवानी के सामान्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वाक्या शनिवार शाम लगभग सात बजे के करीबन बताया जाता है कि जमालपुर मार्केट में सेठी मेडिकल स्टोर की स्कूटी के साथ कुछ युवकों ने छेड़छाड़ करने और मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा मनाही करने पर दोनों के बीच तनातनी शुरू हो गई। संजय सेठी ने बताया कि युवक नशे में थे और पहले 3-4 युवक थे, जिन्हें समझाने पर वे तैश में आ गए और उन्होंने आधा दर्जन युवकों को हथियारों से लैस होकर बुलवाया ओर उन्होंने उसके बेटे प्रतीक व पड़ोसी खुश को चोटें मारी। जिसके कारण उन्हें भिवानी दाखिल करवाया गया। मामले की सूचना पूरे गांव में फैलने पर मार्केट बंद हो गई और गांव में सन्नाटा छा गया। वहीं पुलिस को सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने टीम से मौके का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया और दुकानदारों से मामले की जानकारी ली। साथी दुकानदार के साथ मारपीट के विरोध में शनिवार के बाद रविवार को भी बाजार पूरी तरह से बंद रहा। किसी भी दुकानदार ने दुकाने नहीं खोली और पूरे दिन इस मामले को लेकर आगे की रणनीति तय करते नजर आए। दुकानदारों के हड़ताल पर चले जाने के बाद विभिन्न सामान की खरीद करने आए लोगों को खाली हाथ ही लौटना पड़ा। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मारपीट करने के आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए जाने की मांग की। इस बारे थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि 23 वर्षीय प्रतिक सेठी व 21 वर्षीय खुश को चोटें आई हैं और वे अस्पताल में दाखिल हैं व दूसरे पक्ष के लोगों के भी रविवार सुबह अस्पताल दाखिल होने की सूचना उनके परिजनों से प्राप्त हुई है। जांच चल रही है।

बवानीखेड़ा। दुकानदारों के साथ मारपीट के बाद बंद पड़ा बाजार और हमलावरों द्वारा की गई मारपीट में जख्मी दुकानदार।

श्रीमद् भागवत कथा में सुदामा प्रसंग ने मोहा श्रोताओं का मन

भिवानी। मोहता फैक्ट्री परिसर में स्वर्गीय प्रेम कुमार गर्ग की छठी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में गर्ग परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कथा के समापन अवसर पर श्रोताओं ने भक्ति रस का आनंद लिया और भगवान के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान रहा। कथावाचक छबीला छैल बिहारी महाराज ने रुक्मणी विवाह के प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए बताया कि जब भगवान श्री कृष्ण माता रुक्मणी को लेकर द्वारका पहुंचे, तो वहां उत्सव सा माहौल हो गया। द्वारकावासियों ने अपने आराध्य और उनकी अर्धांगिनी का स्वागत किया। कथावाचक ने बताया कि द्वारका, मथुरा और वृंदावन में फूलों की होली खेली गई। उन्होंने बताया कि कैसे यह परंपरा आज भी सनातन धर्म में अटूट श्रद्धा के साथ निभाई जाती है। इस दौरान पंडाल में मौजूद भक्त भाव-विभोर होकर नाचने लगे।

चौपाल

किसी भी मनुष्य की इच्छाशक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बड़े आसानी से कर सकता है। इच्छाशक्ति और दृढ़संकल्प मनुष्य को रंक से राजा बना देती है।

– महर्षि वाल्मीकि

जोगिंदर ने अंगोछे से मुंह पोंछा और तंबाकू की पीक निगलता हुआ बोला, "बाबूजी ने बहुत बड़ा फ़ार्म हाउस बनवाया है। अब अगले महीने वहीं काम करना है। बाबूजी ने यह भी बोला है, काम अच्छी तरह से किया, तो यहीं पर परमानेंट कर देंगे। छह महीने बाद पगार भी बढ़ा देंगे और रहने को पक्की छत वाला एक कमरा भी बनवा देंगे।"

कहानी

विकेश निझावन

तितलियां

जोगिंदर देर रात तक सामान बटोरता रहा। कस्सी, खुरपा, दराती और बड़ी वाली कैंची। यह सब तो ठीक, लेकिन किसी और औज़ार की ज़रूरत भी तो पड़ सकती है, जोगिंदर मन ही मन बुदबुदाया। अब इतना भी क्या सोचना। बाबू वहां होगा, उनसे कह देगा। जोगिंदर ने यह बात माया के आगे भी दोहरा दी तो माया खीजती-सी बोली, "तेरे को ये सब भी ले जाने की क्या ज़रूरत। नई जगह है, बाबू अपने-आप नया सामान दिला देंगे।"

"अरी, कैसी बात करती हैं। यह सामान भी तो बाबूजी ने ही दिलाया था। अब हर दिन बाबूजी पैसे ख़र्च करते रहेंगे। जब कोई चीज़ टूट जाएगी, तब कह देंगे उनसे। दीवार की खूंटी से अपनी बनियान उतारता जोगिंदर बोला, "पैसा अपना हो या दूसरे का, इस तरह बर्बाद ना करने का मैं।"

"बस रे हरिश्चंद्र की औलाद। तेरी इसी बुद्धि करके तो मुझे भी नरक-सी जिंदगी जीनी पड़ रही है। पिछले माह देखा, क्या हाल रहा अपना। पूरा दिन नाले की सफ़ाई करते-करते, बदन कोढ़ मारने लगा था। मच्छर, कीड़े मेरी बाजू के ऊपर तक चढ़ आते थे। सूरज को चुन्नी में लपेट पेड़ के नीचे सुला आती थी। यूं कह ले, पेड़ ने ही उसकी रक्षा की।" माया पलभर को रुकी, फिर लंबी सांस भरती बोली, "अब तो पाली दसवीं पास कर ले, उसे कहीं किसी दफ्तर में लगवा दो।"

"किसी दफ्तर में! अफ़सरी करेगा क्या?"

"नहीं जी, अफ़सरी तो नहीं कह रही मैं। चपरासीगीरी तो कर ही लेगा।"

जोगिंदर ने ठंडी सांस भरी, फिर बोला, "तेरी बात तो ठीक है री, परंतु मैं कुछ और सोचूं।"

"तो अब तू क्या सोचे?" माया उतावली-सी होती बोली।

"मैं सोच रहा हूं, अगर वह दस पास कर सकता है, तो बारह भी पास कर लेगा। और बारह पास को तो सरकारी नौकरी भी मिल जाए।"

"सरकारी नौकरी! हम जैसों को सरकारी नौकरी कौन देगा। अपनी तो कोई न जान-पहचान, न कोई सिफ़ारिश।"

"अरी, अभी दो साल हैं ना! बाबूजी से कहेंगे, वह पहुंच वाले आदमी हैं, और फिर किस्मत पलटते देर ना लगे। अब अपना ही देख ले, कल तक नाले की साफ़-सफ़ाई कर रहे थे, अब कल से बाग़-बग़ीचे की रखवाली करेंगे। मैं तो बाग़-बग़ीचा भी देख आया हूं।"

"तू बाग़-बग़ीचा देख आया, मुझे क्यों नहीं बताया?" माया ने उलाहना भरा।

"अब हर बात के लिए तुझे साथ लेता रहूं?" जोगिंदर ने अंगोछे से मुंह पोंछा और तंबाकू की पीक निगलता बोला, "बाबूजी ने बहुत बड़ा फ़ार्म हाउस बनवाया है। अब अगले महीने वहीं काम करना है। बाबूजी ने यह भी बोला है, काम अच्छी तरह से किया, तो यहीं पर परमानेंट कर देंगे। छह महीने बाद पगार भी बढ़ा देंगे और रहने को पक्की छत वाला एक कमरा भी बनवा देंगे।" माया को तो यक़ीन ही न आया। बोली, "एक बार पहले भी बाबूजी ने बाग़-बग़ीचे में काम दिया था, तब पाली तीन बरस का था।" एकाएक माया का चेहरा खिल-सा आया। हंसते हुई बोली, "पाली के बचपन के साल तो वहीं निकले थे।"

"याद है कैसे भाग-भागकर तितलियां पकड़ा करता था।"

जोगिंदर भी मुस्कुरा दिया, "हां, याद है मुझे। पर तुझे यह भी याद है, हर रोज़ वह दो-चार तितलियां अपनी स्कूल की कॉपी-किताबों के बीच दबा दिया करता था।"

"मैं कैसे भूल सकती हूँ।" माया उदास होती बोली, "उसकी मैडम ने ही बताया था। मुई कहती थी, तुम्हारा बेटा बड़ा होकर 'क्रिमिनल' बनेगा। उस वक्त मुझे इस शब्द का क्या पता था। मैंने सोचा, कोई अच्छी बात कह रही होगी, लेकिन जब बाद में पाली ने इसका मतलब बताया तो मैंने उसे चांटा लगा दिया था। अरे, पहले बताया होता, तो मैं उस मुई का मुंह नोच लेती।"

"हां!" जोगिंदर भी आक्रोश से भर आया था। मुट्ठियां भींचता बोला, "तभी तो हमने पाली को उस स्कूल से निकाल लिया था। अब देख, सरकारी स्कूल में ही सही, पास तो होता चला आया है। बुरा समय तो बीत गया। छह महीने बाद पाली दस पास कर लेगा, और बाबूजी के बग़ीचे में हमारी नौकरी भी पक्की हो जाएगी।" जोगिंदर की बात पर माया ने चेहरा आसमान की ओर उठाते हुए दोनों हाथ जोड़ दिए, और मन ही मन ईश्वर का धन्यवाद करने लगी।

इस नई जगह पर माया की आंखें तो फटी-सी रह गईं। इतना बड़ा फ़ार्महाउस, ढेर सारे पेड़-पौधे तो पहले से भले लग रहे हैं। अब उसे क्या करना है, माया सोचने लगी। जोगिंदर ने उसका चेहरा पढ़ लिया। बोला, "हरी घास भी तभी अच्छी लगे, अगर वह मखमल जैसी हो। मैं घास में पानी लगाने जा रहा हूं, तू तब तक झाड़ू से सूखे पत्ते बुहार ले। सूरज को कहीं भी छोड़ दे, भागता-फिरता रहेगा। यहां किसी बात का डर नहीं, इतना बड़ा तो मैदान है।" माया की समझ में कुछ-कुछ आने लगा था। जोगिंदर ने बताया था कि बाबूजी दिन में दो-तीन बार आ सकते हैं। हमें काम करते देख ख़ुश हो जाएंगे। जोगिंदर की बात तो सच्ची है, माया ने सोचा, इतनी बड़ी जगह है, कहीं न कहीं तो वह बुहारती रहेगी। बाक़ी आगे का तो बाबूजी आकर बताएंगे ही। सूरज का तो ख़ूब मन लग रहा बस, इधर-उधर दौड़ता रहा और आखिर में माया के पास आकर बोला, "मैं कुछ लाया हूँ....दिखाऊं क्या?"

"क्या लाया है, दिखा तो।" माया तो कभी सोच ही न पाती कि वह क्या लाया है। सूरज ने मुट्ठी खोली तो माया अवाक, "हे राम! तू भी तितली पकड़कर ले आया। अरे, क्या ज़रूरत थी। देख तो, बेचारी कैसे तड़प रही है।" माया ने झट से तितली को अपने हाथों में लिया और गुलाब के बड़े से फूल के ऊपर रख दिया। सूरज की हथेली अपने दुपट्टे से पोंछती बोली, "तितलियां देखने के लिए होती हैं। पकड़ने के लिए नहीं।"

अब तक जोगिंदर पास आ गया था। माया की पीठ पीछे खड़ा सारा तमाशा देख रहा था। तपाक से माया के सामने आकर खड़ा हो गया और कमर पर दोनों हाथ रखता बोला, "कैसी बात करती है री तू! तितलियां पकड़ने के लिए ही होती हैं। वो तो हमारे हाथ आ नहीं पातीं, इसलिए हम ऐसा कह देते हैं।"

"बस-बस, बाप-बेटे मिलकर तितलियां पकड़ते रहो।" पाली स्कूल से आ गया था। जोगिंदर ने उसे समझा दिया था कि स्कूल के बाद सीधे बाबूजी के फार्म हाउस में आ जाएगा।

माया नाराज़ होती बोली थी, "बच्चा है, इतनी दूर अकेले कैसे पहुंचेगा।"

"अरे, अब यह बच्चा नहीं रहा। मैंने इसे दो बार रीगल सिनेमा में घुसते देखा है। स्कूल के बाद दोस्तों के साथ वहां नई फिल्म के पोस्टर देखने जाता है।"

पाली झेंप-सा गया। कैसे उसके बाप ने उसकी चोरी पकड़ ली। रीगल तक का रास्ता तो उसे पता था, आगे का रास्ता जोगिंदर ने समझा दिया।

> पाली अवाक रह गया। सिर से पांव तक कांप गया। बड़ा आदमी बनने के लिए वह तितलियां पकड़ने का बहाना कर लोगों से लूटमार किया करता है। आज के घने कोहरे में कहीं बापू की गर्दन पर उसकी उंगलियों के निशान तो नहीं पड़ गए?

जोगिंदर उसे समझा रहा था और पाली मन ही मन मुस्कुरा रहा था।

"देख रे, कितना सुंदर फार्म हाउस।" जोगिंदर अपनी ख़ुशी ज़ाहिर कर पाली को भी ख़ुश देखना चाहता था। पाली ने तो सीधे से मुंह बिचका दिया, "यह कौनसा अपना है।"

"अरे, कैसी बात करता है तू। ऐसी चीज़ तो बड़े लोगों की होती हैं। हम बड़े लोग नहीं है रे।" जोगिंदर बुझी आंखों से पाली के चेहरे की ओर देखने लगा तो पाली एकाएक बोल उठा, "मैं तुम्हें बड़ा आदमी बनकर दिखाऊंगा।" कहते हुए पाली वहां से भाग गया और सूरज के साथ-साथ वह भी तितलियों के पीछे दौड़ने लगा। माया तो उसे यूं दौड़ते देखा हंस-हंसकर पागल-सी हो आई, "इतना बड़ा हो गया यह, तितलियां पकड़ने से बाज़ नहीं आया।"

दिन, सप्ताह, महीने गुज़र गए। इधर पाली के इम्तिहान ख़त्म हुए, उधर बाबूजी ने जोगिंदर की पक्की नौकरी का एलान कर दिया। पगार भी बढ़ा दिया और अगले छह महीने के अंदर उनके लिए पक्की छत बनवा देने का भी वादा किया। जोगिंदर और माया ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे थे। शाम को जोगिंदर और माया सामान समेट रहे थे तो बाबूजी आ गए। जोगिंदर कुछ अदब से खड़ा हो गया तो बाबूजी बोले, "तुम जा रहे हो क्या?" "हां साहब, पांच बज रहे हैं, कोई हुकुम हो तो कहिएगा।" बाबूजी माया की ओर देखते बोले, "शाम को मेरे कुछ मेहमान आ रहे हैं। जोगिंदर थोड़ी देर रुक जाएगा, तुम अकेली जा सकती हो।" "कोई दिक्क़त नहीं साब।" जोगिंदर और माया के मुंह से एकसाथ ये शब्द निकले तो बाबूजी मुस्कुरा दिए। माया के चलते-चलते जोगिंदर ने उसे पचास का नोट पकड़ा बच्चों के लिए कुछ मीठा लेती जाने को कहा। "मैं तो रोटी-पानी ख़ाकर ही आऊंगा। तुम बच्चों को खिला देना, ख़ुद भी खा लेना।" जोगिंदर की जुबान से क्या-क्या शब्द फूट रहे थे, माया मन ही मन फूली न समा रही थी।

माया घर पहुंची तो पाली बाहर को निकल रहा था। उसे रोकती हुई माया बोली, "तू कहां जा रहा है रे?" "मैं!" पाली की जुबान लड़खड़ा-सी आई, "मैं तितलियां पकड़ने जा रहा हूँ।"

"इस वक्त कौनसी तितलियां उड़ती हैं रे?"

"आजकल तो तितलियां रात में भी उड़ती हैं, मां।" पाली कहता हुआ भाग गया। माया देर तक हंसती रही, कैसा बावला हो गया है। कहता है, आजकल रात को भी तितलियां उड़ती हैं।

माया रसोई में आकर दाल-भात बनाने लगी। दाल-भात बनाने में कौन-सी देर लगी। एक घंटे में सारा भोजन तैयार। पाली आ जाए तो उसे गरमा-गरम परोस देगी। बाद में मिठाई का डिब्बा खोलेगी। देखो, कैसे उछल पड़ेगा।

जोगिंदर पगार भी लाएगा, और बाबूजी कह रहे थे, कुछ बड़े-बड़े लोग आ रहे हैं। फिर तो बख़्शीश भी अच्छी मिल जाएगी। नौ बज रहे हैं। पाली अभी तक न आया। बाहर ठंड और कोहरा भी ख़ूब पड़ने लगा है। कहीं बीमार हो गया तो जोगिंदर तो उसे ही डांटेगा। माया बार-बार दरवाज़े की ओर जा रही थी। लो, पाली आ गया। कुंडी तो ऐसे खड़का रहा है, जैसे तोड़ ही डालेगा। "अरे, आ रही हूं ना। क्या दरवाज़ा तोड़ने का इरादा है?"

माया ने दरवाज़ा खोला तो एक लंबी चीख़ उसके मुंह से निकल गई। चार-छह लोग जोगिंदर को पकड़े बाहर खड़े थे। जोगिंदर की गर्दन से ख़ून टपक रहा था।

कोई एक आदमी बोला, "किसी ने इसकी गर्दन पर चाकू से रेत डाला है। हम इसे अस्पताल लेकर जा रहे हैं।"

माया छाती पर दोहत्थड़ मार फूट पड़ी, "हाय राम! किसने मार डाला मेरे आदमी को?"

गली-मोहल्ला इकट्ठा हो गया था। तभी भीड़ को चीरता हुआ पाली आगे आया तो माया चिल्ला पड़ी, "अरे तू तितलियां पकड़ता फिरता है, पकड़ना है तो उसे पकड़, जिसने तेरे बापू को मार डालने की कोशिश की।"

पाली अवाक रह गया। सिर से पांव तक कांप गया। बड़ा आदमी बनने के लिए वह तितलियां पकड़ने का बहाना कर लोगों से लूटमार किया करता है। आज के घने कोहरे में कहीं बापू की गर्दन पर उसकी उंगलियों के निशान तो नहीं पड़ गए? वह भीतर की ओर भागा और जेब में रखा बटुआ निकाल देखने लगा। अरे, यह तो बापू का ही बटुआ है। पाली ने झट से पैंट की पिछली जेब से चाकू निकाला। एक पल तो मन में आया, इस चाकू को अपने सीने में उतार दे। लेकिन अगले ही पल मन ही मन खुद को गाली देता हुआ उसने चाकू दराज़ के पीछे छुपा दिया। एक बार उसने दीवार से सर पटका, फिर बाहर की ओर लपकता हुआ चिल्लाया, "मैं अस्पताल जा रहा हूं मां!"

कविता | पं. कमल कांत भारद्वाज

फागुन : मेरे मन का उत्सव

फागुन की आई कोमल बेला,
चारों ओर खुशियों का मेला,
धरती ने हरियाली ओढ़ी,
जैसे मुस्कराता हो कोई अकेला।

बगिया में पंछी झूम रहे हैं,
डाल-डाल गीत सुनाते हैं,
हवा छूकर मन के तारों को
अनकहे भाव जगाते हैं।

अबीर-गुलाल हवा में घुलकर,
उल्लास का रंग बिखेर गए,
हँसी, ठिठोली, भीगे पल—
जीवन के सच सिखा गए।

अचानक बादल घिर आए,
फागुन में सावन उतर आया,
भीगी मिट्टी, भीगा मन,
हर बदलाव कुछ कह गया।

समझ लिया मैंने इन लम्हों में—
सौंदर्य बस दिखता नहीं,
प्रकृति से जुड़कर जीना ही
जीवन का सच्चा अर्थ सही।

कविता | मोनिका शर्मा

चेहरों के भी जुदा रंग

भाषा का भी एक ककहरा होता है
पर भावों का अपना औरा होता है

चेहरों के भी खूब जुदा होते हैं रंग
कुछ चेहरों का रंग सुनहरा होता है

कुछ पानी के भीतर गहरे दिखते हैं
कुछ के भीतर पानी गहरा होता है

कुछ के पैरों में भी घुंघरू बजते हैं
कुछ घुंघरूओं पर पहरा होता है

कुर्सी वाले तख़्त ओ ताज ले जाते हैं
कब मेहनत के सर पर सेहरा होता है

नदिया के भीतर भी नदिया बहती है
सहरा के भीतर इक सहरा होता है

कहीं बेटी कुल की लाज निभाती है
कहीं बेटा कुल का जहरा होता है

कुछ आँखों का पानी भी मर जाता है
कुछ आँखों का पानी ठहरा होता है।

कविता | वीणा अग्रवाल

ऋतुराज बसंत

चेहरे पर उल्लास हर्ष जन मन में छाया है
ऋतुओं का सरताज बसंत का मौसम आया है

सर्दी में जो ठिठुर रहे थे झोंपड़ पट्टी वाले
राम ही जाने ये निष्ठुर दिन कैसे रोज निकाले
फूल से कोमल बच्चों को अब आनंद आया है
ऋतुओं का ...

रंग बिरंगे पुष्पों की खुशबू से महकी क्यारी
जीव जंतु वन उपवन में अब सब पर चढ़ी खुमारी
सूरज दादा छिपा था जो अब सामने आया है
ऋतुओं का सरताज ...

पीली पीली सरसों अपनी मादकता बिखराए
हरित आम के पेड़ों पर कोयलिया गीत सुनाए
भ्रमर और तितली ने अपना राग सुनाया है
ऋतुओं का सरताज ...

ना गर्मी ना सर्दी,खुश होते है सब नर नारी
धरती मां खिल उठी,आज वह भूली पीड़ा सारी
धरती से अंबर तक कण कण मुसकाया है
ऋतुओं का सरताज ...

चेहरे पर उल्लास हर्ष जन मन में छाया है
ऋतुओं का सरताज बसंत का मौसम आया है।

सफलता पाने का शॉर्टकट...यस सर !

ज्यादातर लोग समझ ही नहीं पाते कि एक सामान्य 'नो सर' उनके करियर को असामान्य रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्हें ये कला सीखने की ज़रूरत है कि किसी आदेश को मना 'यस सर' कह कर भी किया जा सकता है। यस सर कल का पैदा हुआ कोई नया जुमला नहीं है।

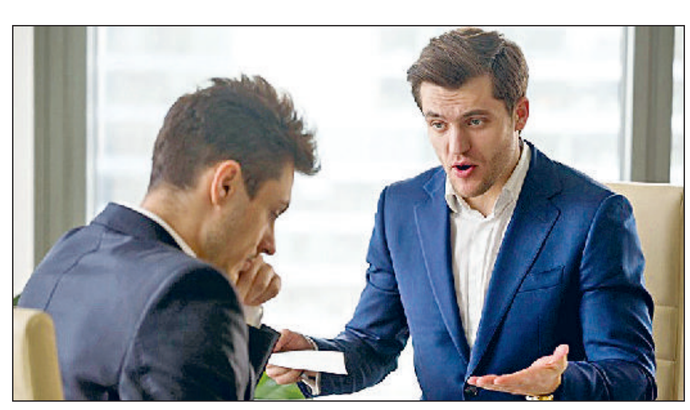

> **कल्पना कीजिए कोई बॉस किसी मीटिंग में कहता हो कि सफ़ेद कौआ होता है और उसका अधीनस्थ समर्थन में यस सर बोल दे। अधीनस्थ का क्या नुकसान हुआ? मगर उस बॉस की ख़ुशी का अंदाज़ा कोई नहीं लगा सकता। बॉस के झूठ का समर्थन कर उसने भविष्य की कितनी ही छुट्टियां आज ही अप्रूव करवा लीं, हाजिरी लगा के घूमने जाने की अनेक अनुमति प्राप्त कर लीं। ऐसे अधीनस्थ अपने बॉस को न केवल अपने सगे-संबंधियों से ज्यादा प्रिय होते हैं, बल्कि कुछ मामलों में प्रातः स्मरणीय भी हो जाते हैं।**

व्यंग्य

विनीत पांडेय

यस सर ..! यह सिर्फ दो शब्दों की स्वीकारोक्ति नहीं है, यह मंत्र है। मंत्र क्या महामंत्र है, आप इस मंत्र की शक्ति का अंदाज़ा भी नहीं लगा सकते। इसका प्रयोग सुपर बैड होते हुए भी आपको अपने बॉस के गुड बुक में रख सकता है। अव्वल दर्जे के कामचोर को भी सर्वाधिक काम का आदमी साबित कर सकता है। नौकरी हो या बिजनेस, जिसे ये बात समझ आ गयी कि उसका बॉस असंभव काम के निर्देश पर भी 'यस सर' सुन कर रोमांचित हो उठता है, उसकी तरक्की कोई नहीं रोक सकता।

यस सर को दरअसल, अकड़ के साथ तेल का कनस्तर उलट के मालिश करने का दर्जा उसी तरह मिला हुआ है, जैसे किसी संस्था का अध्यक्ष बनने पर राज्य मंत्री का दर्जा मिल जाता है। हालांकि ये भी मिलता यस सर की ही बदौलत है। एक अनुभवी यस सर वाचक ने बताया कि यस सर जिंदगी के हां और नहीं के बीच शॉर्टकट से सीधे लक्ष्य तक पहुंचने की वो पगडण्डी है जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

ज्यादातर लोग समझ ही नहीं पाते कि एक सामान्य 'नो सर' उनके करियर को असामान्य रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्हें ये कला सीखने की ज़रुरत है कि किसी आदेश को मना 'यस सर' कह कर भी किया जा सकता है। यस सर कल का पैदा हुआ कोई नया जुमला नहीं है। सैकड़ों साल पहले भी जी महाराज और जी हुज़ूर का अस्तित्व रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद यस सर ने जितनी तेज़ी से अपनी जगह बनाई, उससे सिद्ध होता है कि यह दुनियाभर में इतनी ही लोकप्रियता के साथ विद्यमान रहा है। यस सर कहने वाले को हमेशा अपने वरिष्ठों के अगल-बगल रहने का विशेषाधिकार प्राप्त होता है, जिसकी वजह से अकेले में भी उसका भौकाल बना रहता है। दुनिया में यस सर जैसा दूसरा कुछ भी नहीं है, यह एक साथ सबको संतुष्ट कर देता है। कितना अद्भुत जुमला है जिसे बोलने वाला भी खुश और सुनने वाला भी जबकि वो जिस चीज़ के लिए बोला-सुना जा रहा है, वो होने वाला नहीं है, ये बात दोनों जानते हैं। बॉस को पता होता है कि कौन सा यस सर हामी है और कौन सा अस्वीकृति, पर सुनना उसे यस सर ही होता है।

कारण भी स्पष्ट है, बॉस अपने तब के बॉस को यस सर कह कर बॉस बना है और अब के बॉस को यस सर कह कर बॉस बना हुआ है। कर्णप्रिय होना इस जुमले की असली ताकत है, इसका लगातार प्रयोग बॉस को हमेशा सही होने के भ्रम में बनाए रखता है। यस सर कहने वाले तो रिटायर हो जाते हैं पर यस सर रिटायर नहीं होता। ये वो विरासत है जिसे आने वाला समझदार व्यक्ति जाने वाले अनुभवी व्यक्ति से ग्रहण करता है और इसका सुख भोगता है। जग के सकल पदार्थ भले कर्महीन नर को प्राप्त नहीं होते पर आराम से जीवन व्यतीत करने के लिए आवश्यक वातावरण यस सर कहने वाला प्राप्त कर लेता है। इस महामंत्र का जाप करने वाला नौकरशाही के नुकीले दांतों के बीच जीभ की तरह रसास्वादन करने में सिद्ध हो जाता है। यस सर की घिसावट में प्रवीण व्यक्ति के लिए, सिस्टम अलादीन के चिराग से कम नहीं। वो इसे घिस कर ऑफिस में फाइलों पर कलम घिसने वाले अपने समकक्षों से उड़ने वाली कालीन पर बैठ कर आगे निकल जाता है।

कल्पना कीजिए कोई बॉस किसी मीटिंग में कहता हो कि सफ़ेद कौआ होता है और उसका अधीनस्थ समर्थन में यस सर बोल दे। अधीनस्थ का क्या नुकसान हुआ? मगर उस बॉस की ख़ुशी का अंदाज़ा कोई नहीं लगा सकता। बॉस के झूठ का समर्थन कर उसने भविष्य की कितनी ही छुट्टियां आज ही अप्रूव करवा लीं, हाजिरी लगा के घूमने जाने की अनेक अनुमति प्राप्त कर लीं। ऐसे अधीनस्थ अपने बॉस को न केवल अपने सगे संबंधियों से ज्यादा प्रिय होते हैं बल्कि कुछ मामलों में प्रातः स्मरणीय भी हो जाते हैं। सुबह-सुबह देश दुनिया की ख़बरों से ले कर ऑफिस के कामकाज तक के लिए पहला फोन ऐसे ही अधीनस्थों के पास जाता है। इसमें कोई बुराई नहीं, नौकरी में बॉस के झूठ का विरोध कर टारगेट पर आने की बजाए समर्थन कर लाभ हासिल करना ही असली आर्ट ऑफ़ लिविंग है। यदि एक यस सर कह कर आपके चेहरे पर मुस्कराहट बनी रह सकती है, बिना किसी योग-दवाई के आपका चित्त प्रसन्न रह सकता है तो खामखा उसूलों की निंद्रा भंग क्यों करना। बात अगर वाकई उसूलों पे आंच आए तो टकराना ज़रूरी है, टाइप हो जाए तो मिठाई की कीमत बढ़ाने वाले वर्क की तरह, इस सार्वभौमिक उसूल की परत मूल उसूल पर चढ़ा देनी चाहिए कि जिसकी खाओ, उसकी गाओ। सही गलत के लफड़े में उलझना ही क्यों? यस सर बोलो और छुट्टी पाओ।

हो डगर कितनी भी कठिन, हार मत स्वीकार कर...

पुस्तक : हार मत स्वीकार कर
कवि : अश्वनी कुमार
मूल्य : 199 रुपये
प्रकाशक : कनुप्रिया पब्लिशर्स, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | डॉ. विजेंद्र कुमार

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, मृदुभाषी कवि अश्वनी कुमार की काव्य कृति 'हार मत स्वीकार कर' में 92 गीतिकाएं संगृहीत हैं। यह काव्य कृति भारतीय संस्कृति के शाश्वत एवं उज्ज्वल उद्घोष का शंखनाद प्रतीत होती है कि अपनी शब्द तूलिका से कवि विविध रंगी बिंब विधानों का सृजन करता है। कृति में परमात्मा के प्रति अटूट आस्था, माता-पिता का समादर, सहअस्तित्व एवं सदाचार, करुणा, प्रेम, दया आदि उदात्त भावों को मानव-जीवन का असली लक्ष्य प्रतिपादित किया गया है। व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के उत्थान का दर्द उनकी रचनाधर्मिता के केन्द्र में है। माता-पिता को समर्पित एक गीतिका में कवि कहता है;

जीवन सृजन करते भले, भगवान हो लेकिन/
लेता तुम्हारी कोख में आकार है अम्मा!

पिता के महत्व को कवि इस प्रकार रेखांकित करता है :

उठाते थे अकेले बोझ, वो परिवार का अपने।
नहीं अपना सलीके से, उठा सामान पाए हम।।

जीवन के कटुयथार्थ तथा आपादाओं से निरन्तर संघर्ष करते रहना ही मानव का धर्म है, उसे संकट या विपत्ति से कभी भी हार नहीं माननी चाहिए :-

मुश्किलों के साधने का नाम ही है जिंदगी।
डर गया जो देख के हालात, वो इंसान क्या?

जीवन में सकारात्मकता और विश्वास के महत्त्व का प्रतिपादन करते हुए वे असफलता व निराशा का जीवन में त्याग करने का अह्वान करते हुए कहते है:-

रात बीती को भूला अब भोर से तू प्यार कर।
कर नई शुरूआत प्यारे, हार मत स्वीकार कर।।

आपसी प्रेम व भाईचारे की सघन हरियाली से सरोबार गांव की बदली हुई दशा से कवि दुखी है। जिस तरह गांवों में भी छल, कपट व द्वेष फैल गए हैं, उसी तरह गांवों में वृक्षों की कटाई भी पर्यावरणीय असंतुलन का कारण है :-

सुख घना था, नीम की जो ठांव में।
अब नहीं मिलता मजा वह गांव में।।
दरक गई है आज हवेली, कड़ियां छत की टूट रही।
संबंधों की नींव समाई, रार कपट-चतुराई में।।

प्रेम और सद्भाव ही मानव सभ्यता का सार तत्व है। मानव सभ्यता जितनी इन दोनों से दूर होती जायेगी उतनी ही वह विनाश और पतन के करीब होती चली जायेगी। इसीलिए कवि आह्वान करता है :-

बांसुरी जिसकी जगाए, प्रेम मन में आस्था।
पूज्य वो रसखान सा, चितचोर ढूंढों साथियों।।

अश्वनी की भाषा सहज, स्वाभाविक और लखनऊ का मिठास लिए है। सीधे दिल को छूने वाली इन कविताओं में कहीं पांडित्य प्रदर्शन की लालसा नहीं है। अभिव्यक्ति की सहजता, कथ्य की ईमानदारी और मानवतावादी दृष्टिकोण इस कृति के विशेष आकर्षण है। हमारी युवा पीढ़ी की प्रेरणा के लिए यह एक सफल कृति सिद्ध होगी। इस सार्थक कृति के लिए कवि अश्वनी कुमार को साधुवाद।

खबर संक्षेप

जाट आरक्षण के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

बाढड़ा। कस्बे के सर छोटू राम किसान भवन में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले जाट आरक्षण आंदोलन में शहीद हुए लोगों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रभर से किसानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवा साथियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर शहीदों के बलिदान को नमन किया। सभा की शुरुआत दो मिनट के मौन के साथ की गई, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने खड़े होकर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वक्ताओं ने कहा कि जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान जिन युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति दी, उनका बलिदान समाज के इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा।

सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की जान गई

नारनौल। सड़क हादसे में एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक राजस्थान के बहरोड़ में एक निजी अस्पताल का कर्मचारी था। वह नारनौल में शादी में शामिल होने के लिए आया था। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। राजस्थान के अलवर जिला के हमजापुर का रहने वाला राहुल क्षेत्र में शादी समारोह में शामिल होने के लिए इको कार में सवार होकर आया था। उसके साथ दो अन्य दोस्त भी थे। शादी समारोह से वापस जाते समय इको कार की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। मृतक राहुल के जीजा वरुण ने बताया कि राहुल कंडेक्टर की साइड बैठा हुआ था। इसी साइड टक्कर लगी थी। जिसके कारण राहुल बुरी तरह घायल हो गया।

संस्कारयुक्त शिक्षा से ही बनेगा सशक्त समाज

बाढड़ा। बाढ़डा खंड का बिलावल के एक निजी विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मानव सहायता फाउंडेशन के संयोजक एवं समाजसेवी महादेव बलाली ने बच्चों को संस्कारयुक्त शिक्षा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केवल पुस्तकीय ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की समझ भी उतनी ही जरूरी है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज सेवी महादेव बलाली ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि ऐसा व्यक्तित्व निर्माण होना चाहिए जो सराष्ट्र के विकास में योगदान दे ।

विकास योजनाओं को शुरू करने का भरोसा दिया

बाढड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष इंजीनियर सुनील हड़ौदी ने चंडीगढ़ में सीएम नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर उनको दादरी जिला परिषद के बकाया बजट भेजने, जिला परिषद के भवन, अनाज मंडी, सब्जी मंडी निर्माण में देरी से लेकर विकास राशी खर्च करने, बजट सत्र में नया पैकेज भेजने पर चर्चा की। सीएम नायब सिंह सैनी ने बजट सत्र में ही जिले को नया बजट उपलब्ध करवाने, ग्रामीण विकास योजनाओं के लिए बड़ा बजट देकर काम शुरु करने का भरोसा देते जिला स्तरीय कार्यक्रमों में छह बार प्रथम आने पर बधाई दी।

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह की शिक्षाओं पर आधारित विशेष कार्यक्रम

श्रद्धालुओं ने कॉलेज और सत्संग भवन के आसपास सफाई अभियान चलाया

भिवानी। कॉलेज में सफाई करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। कार्यक्रम में उपस्थित संत। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सद्गुरु माता सुदीक्षा के पावन आशीर्वाद से पूरे भारतवर्ष में जल संरक्षण की दिशा में निरंकारी मिशन का सशक्त कदम उठाते हुए प्रोजेक्ट अमृत के चौथे चरण का शुभारंभ किया गया।

बाबा हरदेव सिंह की शिक्षाओं से प्रेरित होकर आज पूरे भारतवर्ष में 1500 स्थानों पर जल निकाय, अस्पताल, धार्मिक स्थलों की सफाई की गई तथा सत्संग आयोजित किए गए। इसी श्रृंखला में भिवानी शहर में संत निरंकारी मिशन द्वारा आज विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

स्थानीय सेवादल एवं संगत द्वारा संत निरंकारी सत्संग भवन तथा आसपास के क्षेत्र की सफाई की गई तथा महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय भिवानी में भी वननैस वन की सफाई की गई। इसके उपरांत स्थानीय सत्संग भवन में भव्य सत्संग का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता महात्मा बलदेव राज नागपाल द्वारा की गई। इस अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपने उपस्थिति दर्ज करवाई।

सत्संग में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महात्मा नागपाल ने फरमाया कि सतगुरु माता सुदीक्षा का सदैव संदेश रहा है कि हम इस धरती को आने वाली आने वाली पीढ़ियों के लिए पहले से अधिक सुंदर स्वच्छ जल संतुलित रूप से संजोकर रखें ताकि आने वाली पीढ़ियों को जल की कमी नहीं खल सके।

मानवता के लिए अनमोल देन

स्वच्छ जल स्वच्छ मन अभियान इस पावन संकल्प का संजीव प्रतीक है , जो मानव को प्रकृति समाज और आत्मा से जोड़ते हुए करुणा और सौहार्द से मार्गदर्शन करता है। सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने अपने जीवन काल में पूर्ण मानवता के लिए अनमोल देन दी। जहां पर ब्रह्म ज्ञान की रोशनी से पूरे विश्व को आलोकित किया,वहीं पर मानव समाज के लिए समाज सेवा से संबंधित सफाई अभियान, रक्तदान शिविर, आपदा राहत कार्य, महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय देन दी। उन्होंने आगे बताया कि मानव को मानव हो प्यारा, एक दूजे का बने सहारा, दीवार रहित संसार, धर्म जोड़ता है- तोड़ता नहीं, प्रदूषण अंदर का हो या बाहर का हो हानिकारक है इत्यादि दिव्य संदेशों के माध्यम से बाबा हरदेव सिंह ने मानव समाज को अत्यंत सकारात्मक दिशा दी। बाबा हरदेव सिंह ने अपने जीवन काल में कहा कि जो जीवन में है उनकी कदर करें क्योंकि जीवन सुंदर ढंग से जीने के लिए मिला है।

भिवानी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती देते हुए। फोटो : हरिभूमि

'ज्ञानोदय' की भव्यता से सजा जी.डी. गोयनका स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, भिवानी ने अपना दूसरा वार्षिकोत्सव शानदार रूप से मनाया। अपनी स्थापना की दूसरे वर्ष में ही विद्यालय ने शिक्षा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है। शनिवार को आयोजित वार्षिक उत्सव इसका सशक्त और जीवंत प्रमाण रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया तथा समारोह की थीम "ज्ञानोदय- द राइज ऑफ़ नॉलेज देट गाइड्स" रही। ज्ञानोदय थीम का सन्देश था की ज्ञान सिर्फ जानना नहीं, सही और गलत की पहचान होना और उस ज्ञान से खुद को एक बेहतर इंसान बनाना है। बच्चो ने कृष्ण, अर्जुन और नारद मुनि के पात्रों द्वारा ज्ञान की प्राप्ति और उसका सदुपयोग समझाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश कुमार (एसडीएम, भिवानी) ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पर निरंतर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी।

विद्यार्थियों ने शानदार नृत्य प्रस्तुत किया

विशिष्ट अतिथि रामावतार शर्मा (अध्यक्ष, प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन) ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवनकाल में अनेक विद्यालय देखे हैं, लेकिन इतने कम समय में किसी विद्यालय को इतनी तेज़ी से प्रगति करते हुए नहीं देखा। उन्होंने कहा कि अपने दूसरे शैक्षणिक सत्र में ही यहाँ के विद्यार्थी नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पे सफलता प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष मदन लाल वैद, निदेशक सतीश वैद एवं मनीष वैद की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्या गरिमा सावलानी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि विद्यालय के विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों एवं अन्य क्षेत्रों में भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

56वीं पदयात्रा को किया रवाना

- जल संरक्षण व नशा मुक्ति का संदेश देती श्री श्याम प्रेम मंडल की 56वीं पदयात्रा खाटू धाम के लिए रवाना

भिवानी। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

किशोरी लाल सेवा सदन रोड स्थित श्याम भवन से श्री श्याम प्रेम मंडल की 56वीं पदयात्रा श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक सरोकारों के संदेश के साथ खाटू धाम के लिए रवाना हुई। पदयात्रा शहर के प्रमुख बाजारों से होती हुई जोगीवाला शिव मंदिर धाम पहुंची, जहां श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया।

जोगीवाला शिव मंदिर धाम के महंत वेदनाथ महाराज ने विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात पदयात्रियों को खाटू धाम के लिए रवाना किया और उनकी मंगल यात्रा की कामना की। इस अवसर पर मंडल के प्रधान भानु प्रकाश ने कहा कि यह 56वीं पदयात्रा केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी संदेश लेकर निकली है। यात्रा के माध्यम से जल संरक्षण एवं नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल बचाओ अभियान का उद्देश्य पानी का संचयन करना, अपव्यय रोकना और समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वर्तमान समय में जल संकट एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, ऐसे में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह पानी की एक-एक बूंद की कीमत समझे। वहीं नशा मुक्ति अभियान के तहत युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

परिवर्तन आएगा

उन्होंने विश्वास जताया कि इन दोनों अभियानों के संयुक्त प्रयास से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित व स्वस्थ वातावरण मिलेगा। इस अवसर पर प्रितम शर्मा, श्याम लाल हलवासिया, जितेंद्र अग्रवाल, सुरेश जोशी, विनोद डालमिया, रामावतार शर्मा, जतिन शर्मा, प्रतीक अग्रवाल, अशोक शर्मा, अंकित अत्री, राजकुमार यादव, प्रवीण शर्मा, कुलदीप शर्मा, अनमोल, पवन महता एवं यश सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

व्यक्तिगत शिक्षण कार्यक्रम तैयार करें

भिवानी। आईटीआई में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- आदर्श रिहैबिलिटेशन की तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

आदर्श रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं स्पेशल स्कूल में तीन दिवसीय सतत पुनर्वास कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

इस अवसर पर संस्था के निदेशक डॉ राजेश श्योराण, सचिव डॉ. सरिता श्योराण व संसाधन अध्यापक डॉ शोभा शर्मा (क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट) ने कार्यक्रम के अंतिम दिन बताया कि व्यक्तिगत शिक्षण योजना को तैयार करने में कानूनी नीतियों व अधिनियमों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि जितनी भी नीतियों व अधिनियमों में सभी दिव्यांग जनों को समानता का अधिकार दिया गया हैं और इन्हीं अधिकारों को ध्यान में रखते हुए हम बच्चे के लिए उनकी क्षमता के अनुसार व्यक्तिगत शिक्षण कार्यक्रम तैयार करना चाहिए। क्योंकि व्यक्तिगत शिक्षण कार्यक्रम एक ऐसा कानूनी दस्तावेज है जो दिव्यांग बच्चों की जीवन शैली को बदल देता है इसलिए हमें ऐसे व्यक्तिगत शिक्षण कार्यक्रम का निर्माण करना चाहिए जो बच्चों को मुख्य धारा में ला सके और वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

हिंदुत्व भारत की सांस्कृतिक पहचान और जीवन दृष्टि : अनिल कुमार

तोशाम। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यअतिथि। फोटो : हरिभूमि

तोशाम। तोशाम के सनातन धर्म मंदिर में रविवार को बाबा मुंगीपा हिंदू सेवा समिति ने हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, श्रद्धालु एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव, नैतिक मूल्यों की स्थापना और सनातन परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में संत अखडानंद गिरी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ प्रणामी मंदिर तोशाम से मीना महाराज ने भी मंच की शोभा बढ़ाई। मुख्य वक्ता के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता अनिल कुमार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पंच परिवर्तन के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

लोगों ने विधायक को सौंपे दस्तावेज

- विधायक कपूर वाल्मीकि को सौंपे प्रॉपर्टी के कागज, विधायक मुख्यमंत्री के समक्ष करेंगे प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा में नगर पालिका द्वारा 272 पीआईडी को दुकान व मकान मालिकों के नाम से हटाकर वक्फ बोर्ड के नाम करने के मुद्दे को विधायक कपूर वाल्मीकि द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष रखने पर लोगों ने खुशी जाहिर की।

लोगों ने विधायक के निवास स्थल पर डॉ. बूटा राम, हरिसिंह, रमेश सिंदवानी, हरफूल, रामप्रकाश सहित अनेक ने पहुंचकर उनसे रूबरू होकर उनका आभार व्यक्त करते हुए पीआईडी व कोर्ट केस संबंधित कागज उन्हें सौंपे। विधायक ने भी उन्हें मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत कर समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। बता दें की नगर पालिका द्वारा पीआईडी को वक्फ बोर्ड के नाम करने पर दुकानदारों व मकान मालिकों में बेचैनी साफ देखने को मिल रही है। लोग म नही मन इस षड़यंत्र में शामिल होकर उन्हें बेखकर करने की योजना बनाने वालों को कोसते हुए नजर आत हैं। क्योंकि पीड़ितों के अनुसार उन्हें कोई नोटिस नहीं दिए गए जबकि वे 60 से अधिक वर्षों से इस स्थान पर अपनी रिहायश बनाकर बैठे हैं और समय समय पर नपा के टैक्सों का भुगतान कर रहे हैं।

पीआईडी तब्दील होने पर वे अपने आपको ठगा सा महसूस कर रहे हैं। इसको लेकर व व वे नपा प्रधान सुंदर अत्री व विधायक कपूर वाल्मीकि से मिल चुके हैं उन्हें आश्वासन मिले लेकिन उनकी बेचैनी समाप्त नहीं हुई।

किसी को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा

विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि जिनकी पीआईडी रद्द की गई है इसके बारे वे मुख्यमंत्री से मिले और सारी स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सभी लोग उनके अपने है और उनके आशियाने को कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने टीमें बनाई है।

बहल। श्री अलख आश्रम में चल रही रामकथा में उपस्थित सुभाष बराला, जेपी दलाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

भारतीय समाज देश के साधु और संतों का हमेशा ऋणी रहेगा : सांसद बराला

बहल। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि भारतीय समाज देश के साधु, संत समाज का हमेशा ऋणी रहेगा,जिन्होंने देश के लोगों को धर्मपरायणता, नैतिकता और सदाचार की सीख देकर हमेशा धर्म, सत्य और आपसी प्रेम के मार्ग पर चलने की सीख दी है। संतो के उपदेशों का ही परिणाम है कि देश में अनेक धर्म, क्षेत्र और भाषा होने के बाद भी एकजुटता और भाईचारे की भावना पग पग पर परिलक्षित होती है। वे रविवार को श्री अलख आश्रम में महंत श्री विकास गिरी महाराज के सानिध्य में पारुल भक्त के वाचन से चल रही रामकथा में भक्तजनों के बीच बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आदिकाल से लेकर वर्तमान समय तक देश के साधु संतों ने हमेशा लोगों को धर्म और संस्कृति से जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जिस मन, वचन और कर्म से भारत के लोग धर्म के प्रति आस्थावान है, वैसा धर्म का सैलाब और कही देखने को नहीं मिलता है।

विधानसभा घेराव की बनाई रणनीति

चरखी दादरी। बैठक में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ता फोटो : हरिभूमि

चरखी दादरी। कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुशील धानक की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला कार्यकारिणी, विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्षों, वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में 25 फरवरी को चंडीगढ़ में प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई तथा सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिला अध्यक्ष सुशील धानक ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं में किए गए बदलाव, किसानों, मजदूरों और गरीब वर्ग पर बढ़ते आर्थिक बोझ तथा जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी मजबूती से आवाज उठाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर विधानसभा घेराव को सफल बनाएं। बैठक में सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया कि कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष करेगी और 25 फरवरी का विधानसभा घेराव ऐतिहासिक बनाया जाएगा।

महिलाओं के लिए रोजगार अवसर पर सेमिनार का आयोजन

आत्मविश्वास और समय प्रबंधन सफलता के आधार

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. त्रिलोकचंद ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। आयोजित सेमिनार में एकत्रित छात्राओं को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय, भिवानी में प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में 'महिलाओं के लिए रोजगार अवसर' विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. त्रिलोकचंद ने की। डॉ. त्रिलोकचंद ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ कौशल आधारित एवं व्यावहारिक शिक्षा अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने आत्मविश्वास, अनुशासन, समय प्रबंधन एवं सकारात्मक सोच को सफलता का आधार बताते हुए छात्राओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। इसके उपरांत मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय, सिवानी के प्राचार्य प्रो. भूप सिंह गौड़ ने अपने विस्तृत व्याख्यान में महिलाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न रोजगार अवसरों पर प्रकाश डाला।

जानकारी दी

उन्होंने सरकारी एवं निजी क्षेत्र, बैंकिंग, शिक्षण, आईटी, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा स्वरोजगार के क्षेत्र में संभावनाओं की जानकारी दी। साथ ही, प्रभावी बायोडाटा निर्माण, साक्षात्कार की तैयारी, समूह चर्चा में प्रस्तुति कौशल तथा संचार दक्षता के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने और समय के साथ स्वयं को अद्यतन रखने की सलाह दी। इस अवसर पर प्रो. शशिकांत, प्रो. अजीत कुमार, प्रोफेसर राजेश लांग्यान, प्रो. परमानंद, प्रो. अनीता शर्मा, डॉ रेनू बाला, डॉ. ज्योति, डा. मन्जु, प्रो. मोनिका, डॉ नविता गिल, डॉ दीपक आदि स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

पुरी को केन्द्रीय मंत्रिमंडल से हटाने की मांग

भिवानी। एपस्टीन फाइल्स का बहुत ही घिनौना और घृणित कंटेंट रोज़ सामने आ रहा है। अमरीका के न्याय विभाग और ट्रंप प्रशासन की बड़ी कोशिशों के बावजूद, सच सामने आ रहा है। इस गिरोह में राजनेता, वित्तीय अधिपति, टेक कम्पनियों के दिग्गज और विख्यात लोग शामिल हैं, की आक्रामक आपराधिक प्रकृति और उनके सज़ा से बचने के बारे में ज़रा भी शक नहीं है। यह सभी उस आपराधिक नेटवर्क/ गिरोह का हिस्सा थे, जिसका मुख्य सूत्रधार एपस्टीन था। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और उद्योगपति अनिल अंबानी के शामिल होने के साफ़ सबूत होने के बावजूद, केंद्र सरकार ने सफाई देने और जवाबदेही पक्का करने की कोशिश नहीं की है। मौजूद सरकार उन्हें बचाने का प्रयास कर रही है।

खबर संक्षेप

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 28 और एक मार्च को

भिवानी। टी आई टी भिवानी द्वारा 28 फरवरी एवं 01 मार्च 2026 को एडवांस्ड टेक्सटाइल स्ट्रक्चरल कॉम्पोज़िट्स एंड जियोसिंथेटिक्स विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन तकनीकी वस्त्र, संरचनात्मक कॉम्पोज़िट्स तथा जियोसिंथेटिक्स के क्षेत्र में वैश्विक शोध, नवाचार और उद्योग–शिक्षा सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। इस अवसर पर गिरिराज सिंह, केंद्रीय मन्त्री, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

गांव रोहनात में मेगा सर्विस कैंप कल लगेगा

भिवानी। हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा चेयरमैन डीएलएसए डीआर चालिया के निर्देशानुसार और सीजेएम एवं सचिव डीएलएसए पवन कुमार की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम के तहत 24 फरवरी को गांव रोहनात में मेगा विधिक सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस मेगा शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगी, जहां विभागों के अधिकारी और कर्मचारी ग्रामीणों को केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देंगे।

नि:शुल्क नेत्र जांच और आप्रेशन शिविर आज

बाढड़ा। समाजसेवी सोमबीर घसौला की अगुवाई में जनसेवा महाअभियान के तहत बिलावल की स्मृति वाटिका में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर व मुफ्त आप्रेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। इनमें ग्रामीण क्षेत्र के नेत्र रोगियों की जांच करवा कर उनको नि:शुल्क दवा व आवश्यकता होने पर गुरुग्राम के अस्पताल में आधुनिक तरीके से आप्रेशन किया जाएगा। हरियाणा स्टोन क्रेशर एसोसिएशन प्रधान सोमबीर सिंह घसौला ने दी। उन्होंने बताया कि उनकी जनसेवा मुहिम को लगातार संचालित करने के लिए पर्यावरण सरंक्षण को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण, जल बचाओ जनजागरुकता मिशन के साथ साथ जैविक खेती को अपनाने व रासायनिक खादों का कम से कम प्रयोग करने के लिए जागरुक किया जा रहा है।

28 फरवरी को अंबाला में श्रम मंत्री से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

बंद साइट खुलवाने और अन्य मांगों के लिए मजदूर मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने जल्द मांगों के समाधान का दिया था आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर भिवानी के मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के आवास पर पहुंचकर उनके पीए दिलबाग के मार्फत मंत्री को ज्ञापन भेजकर निर्माण मजदूरों की 8 माह से बंद साइट खोले जाने, यूनियनों को वैरिफिकेशन का अधिकार देने, लेबर कोड रद्द करने, मनरेगा का पुराना कानून बहाल करने, सभी मजदूरों को ग्रेप 4 का लाभ व समय पर सुविधाओं का भुगतान करने की मांग रखी गई।

सयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा ने 28 फरवरी को श्रम मंत्री अनिल विज से जवाब मांगने के लिए मास डेपुटेशन की चेतावनी दी।

आज के प्रतिनिधिमंडल में मोर्चा के घटक संगठन भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा(सीटू), भिवानी जिला प्रधान सदीक डाढ़म, सचिव अनिल कुमार, कोषाध्यक्ष राममेहर सिंह, दादरी जिला संयोजक सुमेर दादरी, आईसीटीयू नेता आजाद मीरान, भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा, भिवानी नेता महावीर चांग, विजय मिताथल, भगवान दास, बलजीत गुजरानी, सुरेश गुरेरा, राजेंद्र बेरला, सुधीर चांग आदि शामिल हुए।

भिवानी। मांगों को लेकर सिंचाई मंत्री के आवास पर ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

14 दिसंबर को कुरुक्षेत्र किया गया था प्रदर्शन

मोर्चा नेताओं ने कहा कि उपरोक्त मांगों के समाधान के लिए 14 दिसंबर को कुरुक्षेत्र मुख्यमंत्री आवास पर जोरदार प्रदर्शन व 17-18 जनवरी मंत्रियों के आवासो पर रोष प्रदर्शन करके पड़ाव डाले गए थे। जिस उपरांत मुख्यमंत्री व मंत्रियों में जल्द मांगो के समाधान का आश्वासन दिया था। मगर मजदूर, किसान व जनता विरोधी भाजपा सरकार निर्माण मजदूरों की मांगों का समाधान न करके लगातार अनसुना कर रही है। गूंगी बहरी भाजपा सरकार निर्माण मजदूरों के कानूनों व बोर्ड को खत्म करने की साजिश कर रही है। भाजपा सरकार के इस तानाशाही रुख के खिलाफ निर्माण मजदूरों में आक्रोश बढ़ रहा है जो 28 फरवरी के अंबाला मंत्री आवास पर मास डेपुटेशन में दिखाई देगा।

लोहारू। खाटूधाम के लिए जत्था रवाना होते हुए। फोटो: हरिभूमि

खाटूधाम के लिए श्रद्धालुओं का पैदल जत्था रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

श्रीश्याम सुंदर ज्योति मंडल के तत्वावधान में शनिवार को लोहारू के श्रीहनुमान उजाडिय़ा मंदिर परिसर में सैकड़ों श्रद्धालुओं का पैदल जत्था खाटू धाम के लिए रवाना हुआ। यह पैदल जत्था करीब 150 कि.मी. से अधिक की दूरी तय कर 26 फरवरी को श्री खाटू धाम पहुंचेगा और श्रद्धालु श्री श्याम के दर्शन लोहारू का निशान मंदिर में चढ़ाएंगे। इसके अलावा श्रीश्याम सुंदर ज्योति मंडल द्वारा लोहारू शहर वासियों के सहयोग से खाटू धाम स्थित लोहारू धर्मशाला परिसर में 25 फरवरी से पांच दिवसीय भंडारा भी आयोजित करेंगे। बता दें कि श्री श्याम सुंदर ज्योति मंडल के गंठन के बाद से करीब तीन दशकों से भी अधिक समय से लोहारू से प्रति वर्ष फाल्गुन उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं का पैदल जत्था खाटू धाम के लिए जाता रहा है।

मंदिर और स्कूल परिसर में रात होती है श्रद्धालुओं की भीड़

फाल्गुन उत्सव के दौरान खाटूधाम में देश के कोने कोने से लाखों श्रद्धालुओं का तांता लगता है तथा इन लोहारू के रास्ते खाटू धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के प्रतिदिन दर्जनों जत्थे निकलते है। श्री हनुमान मंदिर, आदर्श प्ले स्कूल, विवेकानंद स्कूल और पंचायती मंदिर धर्मशाला में रात को श्रद्धालुओं के बड़े बड़े पैदल जत्थे ठहराव कर रहे हैं तथा श्रीश्याम के भजनों के आवाजों से पूरे शहर का वातावरण श्याममय दिखाई दे रहा है। रविवार लोहारू से खाटूधाम के श्रद्धालुओं के दो पैदल जत्थे और रवाना हुए। श्री श्याम सेवा समिति और मलवाना धाम के बैनर तले निकले दोनों जत्थों में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने दी प्रस्तुतियां

- एचडी किड्स केयर में वार्षिक उत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

समसपुर स्थित एचडी किड्स केयर का वार्षिक उत्सव "उड़ान" अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य मार्गदर्शक एवं निदेशक बलराज फौगाट के सान्निध्य में आयोजित इस समारोह ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने पूरे सभागार को तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

इन सभी प्रस्तुतियों को सफल बनाने में अध्यापिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिक्षिकाओं में अंजलि कालरा, पूजा सोनी, अंशुल, नीति, कविता हुड्डा, कविता सैनी, कुसुम एवं कोमल का विशेष योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन और परिश्रम से बच्चों ने मंच पर आत्मविश्वास और अनुशासन का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

चरखी दादरी। समारोह में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

दादाजी की छड़ी ...

बच्चों ने "जादू जादू" गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण आगाज किया। "मेड इन इंडिया" प्रस्तुति ने देशभक्ति की भावना को प्रकट किया और दर्शकों में गर्व की अनुभूति कराई। कार्यक्रम में "तांडव" नृत्य की ऊर्जावान प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। "जैसी करनी वैसी भरनी" के माध्यम से बच्चों ने नैतिक संदेश देते हुए समाज को सीख प्रदान की। "दादाजी की छड़ी हूँ मैं" प्रस्तुति में पारिवारिक मूल्यों को सुंदर ढंग से दर्शाया गया। हरियाणवी डांस "बेटियों को खूब पढ़ाओ" पर बेटियों की दमदार प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। अंत में "ऑपरेशन सिंदूर" की नाट्य प्रस्तुति ने कार्यक्रम को एक प्रभावशाली समापन दिया।

मन की बात सुनने में भिवानी प्रदेश में प्रथम

- वीरेंद्र कौशिक ने जताया कार्यकर्ताओं का आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक कार्यक्रम मन की बात के प्रति हरियाणा का उत्साह एक बार फिर पूरे देश में मिसाल बनकर उभरा है। रविवार को प्रसारित कार्यक्रम के 131 वें संस्करण को सुनने के मामले में भिवानी जिला प्रदेश भर में प्रथम स्थान पर रहा। भिवानी जिले में भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में जिला भर के विभिन्न बूथों और सार्वजनिक स्थानों पर हजारों कार्यकर्ताओं व आम जनता ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। वही मन की बात कार्यक्रम सुनने में भिवानी जिला प्रथम आने पर जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं का आभार जताया। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर से अच्छे कार्यो की सराहना करते हुए युवाओं को आगे बढने के लिए प्रोत्साहित किया। भिवानी में कार्यक्रम सुनने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम केवल एक संवाद नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन बन चुका है। हरियाणा का इस कार्यक्रम को सुनने में फिर से प्रथम आना यह दर्शाता है कि यहां की जनता मोदी जी की नीतियों और उनके विजन पर अटूट विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री जिन भी बातों का जिक्र करते है, उससे ना केवल कार्यकर्ता, बल्कि आमजन में नई ऊर्जा का संचार होता है।

भिवानी का एक-एक कार्यकर्ता विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए नई ताकत के साथ मैदान में उतरा हुआ है। इस अवसर पर जिला महामंत्री रमेश पचेरवाल, प्रदीप प्रजापति, राजेश जांगडा, सोनिया अत्री, विशाल जीत, लवकेश बंटी, अंकित पालूवास, दिनेश जांगड़ा, धीरज बापोड़ा, सुनीता शर्मा एडवोकेट, राजेश जांगड़ा, योगेश शर्मा, अनिल शर्मा सुरेंद्र लांगयान, संजय वर्मा, सुखदेव धांगर, रेनूबाला सेनी, अशोक यादव, सुनील शेखावत पंकज गोयल, जगबीर सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राकेश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। पहले स्थान पर रहने पर खुशी जताते हुए। फोटो: हरिभूमि

की थी विशेष व्यवस्था

विरेंद्र कौशिक ने बताया कि भिवानी जिले के हर बूथ पर इस कार्यक्रम को सुनने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक, लोगों ने प्रधानमंत्री के संदेश को आत्मसात किया। उन्होंने कहा कि पीएम ने जिस तरह से युवाओं को विकसित भारत यंग लीडर्स संवाद से जुडने का आह्वान किया है, वह देश के भविष्य के लिए क्रांतिकारी कदम है।

कादमा में हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढडा

- आरएसएस की सौ वर्ष की यात्रा पूरी होने और पंच परिवर्तन पर हुआ चिंतन

कादमा के सेठ गोपाल दास गोयल धर्मशाला परिसर मे आज भव्य हिन्दू स मेलन का सफल आयोजन किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता राधा कृष्ण गोशाला के प्रधान सतबीर शर्मा ने की। कार्यक्रम में वक्ता के तौर पर आचार्य ज्यावती गुरुकुल पंचगांव, विदुषी बेला पारीक गौ कथा वाचक, ब्रह्मकुमारी बहन वसुधा, कैलाश पाली समाज सेवी, डॉक्टर सुदीप जिला बौद्धिक प्रमुख, खंड कार्यवाह जयकिशन ने डॉक्टर सुदीप ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सौ वर्षों की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार संघ ने आज तक राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, सेवा कार्य में योगदान दिया है।

पीएम मोदी का संदेश युवा शक्ति के लिए प्रेरणादायक साबित होगा : शर्मा

भिवानी। पीएम नरेंद्र मोदी के 131 वें मन की बात कार्यक्रम को लेकर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने अपने बूथ पर आमजन के साथ कार्यक्रम को सुना। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि पीएम मोदी का यह कार्यक्रम ऊर्जादायक, प्रेरणा देने वाला और नवीनतम जानकारी का ज्ञान कराने वाला रहा है। भाजपा बहल मंडल पदाधिकारी हनुमान शर्मा पाजू, पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, अजय बिधनोई, सज्जन फौजी बिधनोई, पूर्व चेयरमैन सुशील केडिया, पवन शर्मा सुरपुरा सहित अन्य नेताओं ने कहा कि पीएम के मासिक संदेश से हर बार कुछ नया सीखने को मिलता है। इस बार भी पीएम ने एआई तकनीक का कृषि, पशुपालन सहित अन्य क्षेत्रों में उपयोग और भारत द्वारा एआई तकनीक के विस्तार पर प्रगति की विशेष रूप से चर्चा से आमजन को विज्ञान प्रगति की जानकारी मिली है। वहीं, पीएम ने खेलों की उपलब्धियों और युवाओं द्वारा अर्जित उपलब्धियों का जिक्र करके युवा वर्ग में प्रेरणा भरने का काम किया है। हनुमान शर्मा ने बताया कि पीएम मोदी हमेशा कृषि विकास, खेल और आत्मनिर्भर भारत का जिक्र कर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प से आमजन को जोड़ने का प्रयास करते हैं।

सांगवान और फौगाट खाप ने आयकर आयुक्त विकास सांगवान का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

- विकास सांगवान की उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत

आयकर आयुक्त पदोन्नत होने पर विकास सांगवान के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांगवान व फौगाट खाप ने पगड़ी पहनाकर किया सम्मानित विकास सांगवान सबसे पहले अपने पैतृक गांव डोहकी पहुंचकर हनुमान मंदिर में भगवान का आशीर्वाद लिया। उन्होंने क्षेत्र की सुख-समृद्धि और देश की उन्नति की कामना की। इसके पश्चात डोहकी कार्यालय में पहुंचकर उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों, शुभचिंतकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और मिठाई खिलाकर अपनी खुशिया साझा की।

दादा सांगू धाम पर सांगवान खाप के प्रधान सोमबीर सांगवान व फोगाट खाप के प्रधान सुरेश फोगाट ने पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक प्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि विकास सांगवान की उपलब्धि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। विकास सांगवान ने युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और कड़ी मेहनत करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि निरंतर प्रयास, अनुशासन और सकारात्मक सोच से ही बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश, सेवा में अपना योगदान दें और अपने माता-पिता तथा क्षेत्र का नाम रोशन करें। समाज के सहयोग और आशीर्वाद के बिना कोई भी व्यक्ति इतनी बड़ी जिम्मेदारी तक नहीं पहुंच सकता। उन्होंने सभी वरिष्ठजनों, मित्रों और क्षेत्रवासियों का दिल से धन्यवाद किया।

मार्केट न्यूज

धनाना में एमके हॉस्पिटल, भिवानी द्वारा नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

भिवानी। एमके हॉस्पिटल, भिवानी द्वारा धनाना गांव में एक विशाल नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर *रविवार, 22 फरवरी को बंगला धर्मशाला (धनाना 3)में आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की नि:शुल्क जांच करवाई। इस स्वास्थ्य शिविर में 362 से अधिक मरीजों ने विभिन्न रोगों की जांच करवाई एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में एमके हॉस्पिटल के अनुभवी व प्रशिक्षित डॉक्टर हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ यूरो सर्जरी विशेषज्ञ कान नाक गला रोग विशेषज्ञ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ हृदय रोग विशेषज्ञ बाल एवं नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ जनरल, लेप्रोस्कोपिक एवं गैस्ट्रो सर्जरी विशेषज्ञ कैंसर रोग विशेषज्ञ सामान्य चिकित्सा एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ दंत रोग विशेषज्ञ व अन्य सहायक डॉक्टर उपस्थित रहे। मरीजों को मुफ्त मैमोग्राफी, ईसीजी, बीएमडी, शुगर जांच, पीएफटी, न्यूरोपैथी की सुविधा प्रदान की गई। इसके साथ-साथ जरूरतमंद मरीजों को "नि:शुल्क दवाइयां" भी वितरित की गईं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

ग्रामीण खेल महोत्सव के दूसरे दिन विभिन्न खेल स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया

पुरुषों में बहल और महिलाओं में चैहड़ कलां बनीं विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

बीआरसीएम शिक्षण समिति द्वारा आयोजित 12वें छोगमल चौधरी ग्रामीण खेल महोत्सव के दूसरे दिन विभिन्न खेल स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। प्रतियोगिता में वालीबॉल के लिए हुए मुकाबले काफी रोमांचक रहे। वालीबॉल के फाइनल मैच में पुरुषों में बहल की टीम विजेता बनी जबकि महिलाओं में चैहड़ कलां की टीम ने मुकाबला जीता। रस्साकस्सी में इंदीवाली की टीम विजेता और बीरान की टीम उपविजेता बनी।

रविवार को प्रतियोगिता के समापन समारोह में प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल मुख्यातिथि रहे। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए और प्रतियोगिता में जीत के लिए बधाई दी। इससे पहले एथलेटिक्स मुकाबलों में 100 मीटर रेस में कुलदीप जाखड़ प्रथम, मनीष द्वितीय व संदीप तृतीय रहे। 400 मीटर महिला रेस में तनुजा ने पहला, मुस्कान ने दूसरा व नीरज ने तीसरा स्थान हासिल किया। पुरूषों के कबड्डी मुकाबले में सचिन स्पोर्ट्स बहल ने पहला जबकि बीआरसीएम ने दूसरा स्थान पाया। महिला कबड्डी मुकाबले में भिवानी रोहिला की टीम विजेता, बहल की टीम उपविजेता बनी। महिलाओं के शॉटपुट मुकाबले में रिंकू अव्वल रही। महिलाओं में लंबी कूद में छवि, ऊंची कूद में दिव्या, हॉफ मैराथन में संतोष ने पहला स्थान पाया। पुरूषों के 1500 मीटर दौड़ में लोकेश व 800 मीटर में आशीष कुमार अव्वल रहे। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी विद्यानंद, चेयरमैन रवि महमिया, हनुमान शर्मा पाजू, अजय बिधनोई, प्राचार्य डॉ. अनुज शर्मा आदि मौजूद रहे।

बहल। आयोजित प्रतियोगिता के मैच में शॉट लगाता एक प्रतिभागी व खिलाड़ियों का परिचय लेकर मैच शुरू करवाते हुए।

ग्रामीण प्रतिभाओं को मिल रहा मौका: जेपी

मुख्यातिथि जेपी दलाल ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन कर बीआरसीएम संस्थान ने ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाने का काम किया है, वो सराहनीय है। प्रदेश सरकार खेल और खिलाडियों को विभिन्न नीतियों से प्रोत्साहित कर रही है। संस्थान निदेशक डॉ. एसके सिन्हा ने कहा कि बीआरसीएम संस्थान पढाई के साथ खेलों को बढावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को शिक्षा, संस्कार व खेलों में आगे बढाना बीआरसीएम का मूल लक्ष्य है।